

प्रायः ऐसा देखा गया है कि बहुत से विद्यार्थी NEET | AIIMS में लगातार एक-दो या बहुत कम नम्बरों के अन्तर से सेलेक्शन पाने से वंचित रह जाते हैं और Frustration का शिकार हो जाते हैं। ऐसी विषम परिस्थिति में विद्यार्थियों व अभिभावकों के लिये यह निर्णय कर पाना काफी कठिन हो जाता है कि फिर से तैयारी की जाय अथवा नहीं? ऐसे विद्यार्थी अगर फिर से तैयारी करने की हिम्मत करते हैं और उनके तैयारी करने का तरीका वही पुराना ही है तो वे पुनः बॉर्डर लाइन पर आकर रुक सकते हैं। ऐसे सभी फ्रस्ट्रेटेड (हतोत्साहित) बॉर्डर लाइन स्टूडेंट्स के लिये 'एपेक्स इन्स्टीट्यूट' ने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक 'प्लेटिनम बैच' शुरू करने का निर्णय लिया है।

इस बैच में विद्यार्थियों को एक विशेष रणनीति एवं कार्यशैली के तहत अध्ययन कराया जाता है, जिससे वे विभिन्न मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में चयनित होकर अपने एवं माता-पिता के सपनों को साकार कर लेते हैं।